

Transk.:

Folio 64 ↓ : 2 Kor 4,4-12[13]

Beginn der Seite korrekt

PKE

Stichometrie

|    |   |    |
|----|---|----|
| 01 | ΕΙΣ ΤΟ ΜΗ ΑΥΓΑΣΑΙ ΤΟΝ ΦΩΤΙΣΜΟΝ ΤΟΥ                  | 28 |
| 02 | ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΥ ΤΗΣ ΔΟΞΗΣ ΤΟΥ ΧΡΥ̅ ΟΣ ΕΣΤΙ̅              | 30 |
| 03 | ΕΙΚΩΝ̅ ΘΥ̅ <sup>4,5</sup> ΟΥ ΓΑΡ ΕΑΥΤΟΥΣ ΚΗΡΥΣΣΟΜΕΝ | 29 |
| 04 | ΑΛΛΑ ΙΗΝ̅ ΧΡΝ̅ ΚΝ̅ ΕΑΥΤΟΥΣ ΔΕ ΔΟΥ-                  | 24 |
| 05 | ΛΟΥΣ ΥΜΩΝ ΔΙΑ ΙΗΥ̅ <sup>6</sup> ΟΤΙ Ο ΘΣ̅ Ο ΕΙΠΩΝ   | 26 |
| 06 | ΕΚ ΣΚΟΤΟΤΟΥΣ <sup>1</sup> ΦΩΣ ΛΑΜΨΕΙ ΟΣ ΕΛΑΜ-       | 26 |
| 07 | ΨΕΝ ΕΝ ΤΑΙΣ ΚΑΡΔΙΑΙΣ ΗΜΩΝ ΠΡΟΣ                      | 25 |
| 08 | ΦΩΤΙΣΜΟΝ ΤΗΣ ΓΝΩΣΕΩΣ ΤΗΣ ΔΟΞΗΣ                      | 26 |
| 09 | ΑΥΤΟΥ ΕΝ ΠΡΟΣΩΠΩ ΙΗΥ̅ ΧΡΥ̅ <sup>7</sup> ΕΧΟ-        | 23 |
| 10 | ΜΕΝ ΔΕ ΤΟΝ ΘΗΣΑΥΡΟΝ ΤΟΥΤΟΝ ΕΝ                       | 24 |
| 11 | ΟΣΤΡΑΚΙΝΟΙΣ ΣΚΕΥΕΣΙΝ ΥΠΕΡΒΟΛΗ <sup>2</sup>          | 27 |
| 12 | ΤΗΣ ΔΥΝΑΜΕΩΣ Η ΤΟΥ ΘΥ̅ ΚΑΙ ΜΗ                       | 22 |
| 13 | ΕΞ ΗΜΩΝ <sup>8</sup> ΕΝ ΠΑΝΤΙ ΘΛΕΙΒΟΜΕΝΟΙ           | 24 |
| 14 | ΚΑΙ ΜΗ ΣΤΕΝΟΧΩΡΟΥΜΕΝΟΙ ΑΠΟΡΟΥ-                      | 26 |
| 15 | ΜΕΝΟΙ ΑΛΛ ΟΥΚ ΕΞΑΠΟΡΟΥΜΕΝΟΙ <sup>9</sup> ΔΙΩ-       | 26 |

<sup>1</sup> Korrekt: ΣΚΟΤΟΥΣ.

<sup>2</sup> Korrekt: ΙΝΑ Η ΥΠΕΡΒΟΛΗ.